बारहवीं पंचवर्षीय योजना अवधि (2012-17)

के लिए

राष्ट्रीय भवन निर्माण संगठन

की

रणनीतिक योजना

आवास एवं शहरी गरीबी उपशमन मंत्रालय

भारत सरकार

विषय-सूची

कार्यकारी सारांश 3

परिचय 4

राष्ट्रीय भवन निर्माण संगठन (एनबीओ): इतिहास और पृष्ठभूमि 4

विजन 6

मिशन 6

परिचालन के प्रमुख क्षेत्र 7

मूलभूत परिचालन मूल्य और धारणा 8

स्वॉट विश्लेषण 9

रणनैतिक कार्य योजनाः 10

विकास के अन्य कार्य 11

कार्यकारी सारांश

राष्ट्रीय भवन निर्माण संगठन ने इस रणनीतिक योजना का विकास किया है जो इसे सहायता, सेवा और संगठन विकास के लिए एक पंचवर्षीय कार्ययोजना उपलब्ध कराता है। राष्ट्रीय भवन निर्माण संगठन (एनबीओ) की स्थापना 1954 में हुई और तब से यह खुद को आवास एवं भवननिर्माण की गतिविधियों पर आंकड़ों के संचयन, वर्गीकरण और प्रसार का सर्वोच्च संगठन के रूप में स्थापित करने के उद्देश्य काम कर रहा है। इस लक्ष्य को प्रदर्शित करते हुए इसने अपनी निष्ठा और जिम्मेदारी, अत्याधुनिक कार्यप्रणालियों के विकास, समर्थन के सिद्धांत पर आधारित सभी हितधारकों के साथ सहभागिता और सहयोग के साथ काम करने के जरिए और वित्तीय सहायता के आधार पर खुद के लिए उत्तरदायी होने का मिशन निर्धारित किया है।

परिचालन का मुख्य क्षेत्र है शहरी गरीबी, झुग्गी, आवास, भवन निर्माण और संबंधित आंकड़ों के राष्ट्रीय आधान के रूप में काम करना। एनबीओ द्वारा इस पर आंकड़े और सांख्यिकीय रिपोर्ट तैयार किया जाता है, उनका परितुलन, परीक्षण, विश्लेषण, प्रसार और प्रकाशन किया जाता है। इसमें पूर्ण कंप्यूटरीकृत डेटा सेंटर की स्थापना भी शामिल है। परिचालन के दूसरे क्षेत्र हैं योजना के प्रभावों के अध्ययन के लिए नियमित अल्पकालिक नमूना सर्वेक्षण आयोजित करना, प्राथमिक आंकड़े एकत्र करना, सामाजिक-आर्थिक शोध करना, एक डॉक्युमेंटेशन केन्द्र का विकास, सरकार के विभिन्न स्तरों के लिए क्षमता निर्माण के कार्य संचालित करना।

एनबीओ इस विश्वास पर काम करता है कि किसी भी राजनैतिक लक्ष्य और योजना निर्माण के लिए आंकड़ा महत्वपूर्ण आगत होता है, खास कर झुग्गियों, शहरी गरीबी संबंधी मामलों में। आवास और गृह निर्माण के आंकड़ों के विशाल डेटाबेस को विकसित और प्रबंधित करने के लिए अत्याधुनिक तकनीक अपनाए जाने की भरपूर गुंजाइश होती है जो कि यूएलबी की क्षमताओं में सुधार के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है।

एनबीओ की प्रमुख खूबियों में शामिल है उच्च गुणवत्ता के आंकड़े उपलब्ध करनाने की इसकी प्रदर्शित क्षमता। शहरी गरीबी के उन्मूलन, झुग्गियों में रहने वाले लोगों के लिए आवास नीति, हाउसिंग स्टार्ट-अप इंडेक्स (एचएसयूआई) पर अधिक बल देते हुए एनबीओ की नीति है अधिक प्रासंगिक होना जिससे डेटाबेस के विकास और उसके रखरखाव के मामले में इसकी सेवाओं और अवसरों में वृद्धि होगी। यद्यपि, इसकी उल्लेखनीय वृद्धि ने मानव संसाधन के लिहाज से चुनौती पेश किया है जिस कारण पर्यवेक्षण में कठिनाई होती है और हितधारकों के साथ समन्वयन के

लिए संरचनाओं की कमी है। समुन्नत प्रबंधन प्रक्रियाओं और तकनीक में सुधार बहुत जरूरी है। साथ ही, डेटाबेस प्रबंधन पर कम ध्यान दिया गया है और सरकारी क्षेत्र में नगण्य वित्तीय सहायता उपलब्ध है।

रणनीतिक योजना में उन विविध गतिविधियों का उल्लेख किया गया है जिन्हें बारहवीं पंचवर्षीय योजना 2012-17 के दौरान एनबीओ द्वारा संचालित करने की योजना है।

परिचय

राष्ट्रीय भवन निर्माण संगठन ने इस रणनीतिक योजना का विकास किया है जो राष्ट्रीय भवन निर्माण संगठन को सहायता, सेवा और संगठन के विकास हेतु एक पंचवर्षीय कार्ययोजना उपलब्ध कराता है। एनबीओ के निदेशक और कर्मचारी त्रैमासिक आधार पर प्रगति की समीक्षा और निगरानी करेंगे तथा मंत्रालय के उपयुक्त प्राधिकार की स्वीकृति से आवश्यकतानुसार वार्षिक रूप से योजना को अद्यतन बनाएंगे। आवास और शहरी गरीबी उपशमन मंत्रालय के एएस & एमडी (जेएनएनयूआरएम) तथा कर्मचारी की व्यापक सहभागिता और मार्गदर्शन के साथ इस योजना की रूपरेखा प्रस्तुत की गई है। रणनीतिक योजना मिशन, विजन, प्रमुख परिचालन मूल्यों और आकलनों को दर्शाती है जिसमें काम को लेकर संगठन का दृष्टिकोण परिलक्षित होता है।

कर्मचारियों ने समन्वयन और योजना प्रक्रिया में मदद की है और इस योजना को पूरा करने के लिए महत्वपूर्ण सहायता और विश्लेषण उपलब्ध कराया है। योजना प्रक्रिया में एक पर्यावरणीय अध्ययन किया गया जिसमें शामिल किए गए संगठन का समेकित मूल्यांकन और समुदाय के विभिन्न हितधारकों का साक्षात्कार तथा जनसंख्या और एनएसएसओ के साथ-साथ जनांकिकीय एवं बाजार के आंकड़े। पर्यावरणीय अध्ययन सांगठनिक मूल्यांकन ने एनबीओ को उन चुनौतियों और अवसरों का मूल्यांकन करने में सहायता की है जो इसके सामने अगले पांच सालों में आएंगे और इस रणनीतिक योजना में परिलक्षित विकल्पों के लिए संदर्भ तैयार होगा।

राष्ट्रीय भवन निर्माण संगठन (एनबीओ):
इतिहास और पृष्ठभूमि

राष्ट्रीय भवन निर्माण संगठन (एनबीओ) की स्थापना 1954 में आवास और शहरी गरीबी उपशमन मंत्रालय (तात्कालीन कार्य और आवास मंत्रालय) के अंतर्गत एक संलग्न कार्यालय के

रूप में की गई थी जिसका उद्देश्य था आवास संबंधी सांख्यिकीय आंकड़ों का तकनीक हस्तांतरण, प्रयोग, विकास प्रसार। तब से राष्ट्रीय भवन निर्माण संगठन (एनबीओ) देश में आवास एवं भवननिर्माण की गतिविधियों पर आंकड़ों के संचयन, वर्गीकरण और प्रसार का सर्वोच्च संगठन के रूप में काम कर रहा है।

आवास नीति और कार्यक्रमों के निर्माण के संदर्भ में आवास संबंधी मुद्दों के सामाजिक-आर्थिक अध्ययन और आवास सांख्यिकी की बढ़ती आवश्यकता के मद्देनजर एनबीओ का 1992 में पुनर्गठन किया गया। राष्ट्रीय आवास नीति के तहत मौजूदा जरूरतों तथा आवास एवं गृह-निर्माण संबंधी विविध सामाजिक-आर्थिक एवं सांख्यिकीय प्रक्रियाओं को ध्यान में रखते हुए तथा आवास और यह सुनिश्चित करने के लिए कि शहरी गरीबी उपशमन मंत्रालय (एमओएचयूपीए) को उपयुक्त डेटाबेस उपलब्ध कराया जा सके पुनरीक्षित अधिदेश के साथ एनबीओ को मार्च 2006 में दुबारा पुनर्गठित किया गया।

जवाहरलाल नेहरू राष्ट्रीय शहरी नवीकरण मिशन (जेएनएनयूआरएम) के संदर्भ में इस पुनर्गठन का विशेष महत्व है जिसका शुभारंभ 3 दिसंबर 2005 को हुआ था। शहरी गरीबों के लिए शहरी अवसंरचना तथा मूलभूत सुविधाओं की समस्या के समाधान हेतु जेएनएनयूआरएम देश में अब तक का सबसे बड़ा एकल प्रयास है। जेएनएनयूआरएम के घटक शहरी गरीबों के लिए मूलभूत सेवाओं (बीएसयूपी) तथा समेकित आवास एवं झुग्गी विकास कार्यक्रम (आईएचएसडीपी) के तहत परियोजनाओं के मूल्यांकन, स्वीकृति, पर्यवेक्षण और समीक्षा कार्यों में समन्वयन के नोडल एजेंसी के रूप में एमओएचयूपीए द्वारा राष्ट्रीय भवन निर्माण संगठन गठित किया गया।

केन्द्रीय स्तर पर झुग्गी, शहरी गरीबी, आवास और शहरीकरण से जुड़े अन्य आंकड़ों के डेटाबेस के विकास और प्रबंधन तथा नीति निर्माण को प्रभावी और मजबूत बनाने हेतु जो राष्ट्रीय भवन निर्माण संगठन के लक्ष्य हैं वही इस योजना में शामिल रणनीतिक दिशा और लक्ष्य हैं।

इस रणनीतिक योजना की पंचवर्षीय अवधि राष्ट्रीय भवन निर्माण संगठन के मूल्यांकन उसके कामकाज को गहराई प्रदान करने के लिए होगा। साथ ही, झुग्गी, शहरी गरीबी, आवास और शहरीकरण से जुड़े अन्य आंकड़ों के डेटाबेस के विकास और प्रबंधन हेतु एनबीओ राष्ट्रीय स्तर के नोडल एजेंसी की भूमिका में अधिक-अधिक से रहेगा। अपने मिशन के नए परिप्रेक्ष्य में यह समझते हुए कि यह क्या-क्या अच्छी तरह कर सकता है और अपने परिचालन वातावरण को अच्छी तरह समझते हुए, एनबीओ द्वारा इन रणनैतिक दिशा में कदम बढ़ाए जाएंगे।

विजन

एनबीओ की मंशा है झुग्गी, शहरी गरीबी, आवास और शहरीकरण से जुड़े अन्य आंकड़ों के संचयन, परितुलन, संकलन, रिपोर्टिंग और विश्लेषण हेतु देश के एक उत्कृष्ट ज्ञान केन्द्र के रूप में विकसित होना।

मिशन

- **जिम्मेदारी**

  प्रभावी नीति निर्माण और योजना निरूपण के लिए आगत उपलब्ध कर और आंकड़ों की कमी को पूरा कर एनबीओ ऐसे समाधान पेश करता है जो भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों/विभागों की जरूरतों और प्राथमिकताओं के लिए उपयोगी होते हैं।

- **निष्ठा और दायित्व**

  अपने प्रशासन, सेवा और पहुंच गतिविधियों में एनबीओ अत्यंत ईमानदारी से अपनी भूमिका निभाता है; इन गतिविधियों को यह अपने मिशन से जोड़ता है और रिकॉर्ड का रखरखाव और उसकी रिपोर्ट समुचित विधि से की जाती है।

- **अत्याधुनिक कार्यपद्धति**

  एनबीओ का लक्ष्य झुग्गी, शहरी गरीबी, आवास और शहरीकरण से जुड़े अन्य आंकड़ों के लिए एक उच्च गुणवत्ता के बेहतरीन, अत्याधुनिक और मजबूत डेटाबेस का निर्माण करना है।

- **हितधारी, सहयोग और साझेदारी**

  एनबीओ अनेक प्रकार के हितधारकों के साथ काम करता है जैसे- राज्य/केंद्रशासित प्रदेश, एनएसएसओ, सीएसओ, आर्थिक और सांख्यिकी निदेशालय (डीईएस), राष्ट्रीय संसाधन केन्द्र (एनआरसी) आदि और सभी साझेदारों को गुणवत्तापूर्ण सेवा प्रदान करता है।

- **समर्थन या हिमायत**

  एनबीओ यूएलबी/डीईएस तथा अन्य हितधारकों में क्षमता का विकास करता है और दीर्घकालिक परिणामों की हिमायत करता है।

परिचालन के प्रमुख क्षेत्र

- एनबीओ का लक्ष्य झुग्गी, शहरी गरीबी, आवास और शहरीकरण से जुड़े अन्य आंकड़ों के लिए राज्य और शहरी स्थानीय निकाय तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जुड़े राष्ट्रीय संसाधन केन्द्र और आधान के रूप में काम करना;
- भवन निर्माण, आवास और उनसे संबंधित अन्य आंकड़ों का संचयन, परितुलन, पुष्टिकरण, विश्लेषण, प्रसार और प्रकाशन के कार्य तथा समय-समय पर सांख्यिकी रिपोर्ट तैयार करना;
- शहरी गरीबी, झुग्गी, आवास पर विवरण प्रस्तुत करना और निर्माण संबंधी आंकड़े जुटाना और जनसंख्या, एनएसएसओ आदि जैसे विविध स्रोतों से प्राप्त आंकड़ों का विश्लेषण कर शोध प्रकाशन प्रस्तुत करना;
- नीतियों और योजनाओं के निर्माण के लिए आवश्यक शहरी आंकड़ों के भंडारण, प्रबंधन, सुधार और प्रसार हेतु उचित प्रणाली और ई-गवर्नेंस टूल्स से लैस पूर्णतः कंप्यूटरीकृत डेटा सेंटर का निर्माण और प्रबंधन;
- आवास और शहरी गरीबी उपशमन मंत्रालय तथा अन्य मंत्रालयों द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के प्रभाव के अध्ययन हेतु देश के विभिन्न हिस्सों में नियमित अल्पकालिक नमूना सर्वेक्षण/क्षेत्र अध्ययन कराना और आवश्यकतानुसार प्राथमिक आंकड़े जुटाना;
- झुग्गियों के विकास/समुन्नयन, किफायती आवास और शहरी गरीबों के लिए मूलभूत सेवाओं के क्षेत्र में अभिकल्पन, निर्माण, कार्यान्वयन, पर्यवेक्षण, समीक्षा से संबंधित सामाजिक-आर्थिक शोध संचालन और नीतियों, योजनाओं, कार्यक्रमों और परियोजनाओं का प्रभाव मूल्यांकन;
- शहरी गरीबी, झुग्गी, आवास, भवन निर्माण और संबंधित शहरी आंकड़ों के प्रलेखन केन्द्र का विकास करना जो सर्वोत्तम कार्यव्यवहारों और नवप्रवर्तन के साथ-साथ शहरी संसाधनों के आधान के रूप में काम कर सकता है;
- शहरी गरीबी, झुग्गी, आवास, भवन निर्माण और संबंधित शहरी आंकड़ों के संकलन और प्रसार के काम में लगे भारत सरकार, राज्य सरकारों और शहरी स्थानीय प्रशासनिक निकायों के अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए क्षमता निर्माण/प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन;

- राज्य सरकारों/नगर निकाय के प्राधिकारों/शोध एवं प्रशिक्षण संस्थानों/सांख्यिकी संस्थान/अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के साथ शहरी गरीबी, झुग्गी, आवास जैसे क्षेत्रों में शहरी नीति निर्माताओं, योजना बनाने वालों शोधकर्ताओं नोडल एजेंसी के रूप में समन्वयन और सहयोग करना।

मूलभूत परिचालन मूल्य और धारणा

एनबीओ की सभी सेवाएं तथा इसके कार्यनिष्पादन की विधियां लोगों की सहायता करने की श्रेष्ठ विधियों की मूलभूत धारणाओं पर आधारित हैं। इन धारणाओं को इस प्रकार व्याख्यायित किया जा सकता है:

- किसी भी नीति निर्माण और योजना नियमन के लिए आंकड़ा एक महत्वपूर्ण स्रोत है।
- झुग्गी, शहरी गरीबी जैसा कि बीपीएल सर्वेक्षण में जाहिर होता है तथा शहरी फेरीवालों के क्षेत्रों के आंकड़े बेहद महत्व के होते हैं, विशेष रूप से समग्र विकास की भावना से गरीबी उन्मूलन तथा झुग्गी के विकास की दिशा में नीति निर्माण में बदलाव के मद्देनजर।
- देश में आवास तथा भवन निर्माण आंकड़ों के विशाल डेटाबेस को विकसित तथा व्यवस्थित करने के लिए अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी के प्रस्तुतिकरण की असीम संभावनाएं हैं।
- मलिन बस्तियों, शहरी गरीबी, आवास तथा भवन निर्माण आंकड़ों में विशाल डेटाबेस को विकसित तथा व्यवस्थित करने हेतु आधुनिक प्रौद्योगिकी संचालित प्रबंधन सूचना प्रणाली (एमआईएस) के प्रबंधन के लिए शहरी स्थानीय निकायों के लिए अच्छी तरह प्रकल्पित क्षमता निर्माण कार्यक्रमों हेतु शहरी स्थानीय निकायों में विविध स्तरीय क्षमताओं की मांग है।

स्वॉट विश्लेषण

क्षमताएं	अक्षमताएं
एनबीओ की मुख्य क्षमताओं में उच्च गुणवत्ता के आंकड़े उपलब्ध कराने में संगठन की प्रदर्शित क्षमता सम्मिलित है जो मंत्रालयों/ विभागों/ हितधारकों को प्रभावी योजना बनाने में सहायक है। एनबीओ के कर्मचारी प्रतिबद्ध हैं, और इसके द्वारा प्रदत्त सेवाओं तथा कार्यक्रमों की गुणवत्ता की निगरानी रखी जाती है। जब भी कोई चुनौती आती है, तो संगठन अभिनव प्रयोगधर्मिता से उसका समाधान करता है। एनबीओ की उत्कृष्ट साख है और प्रभावी नीति निर्माण के लिए मंत्रालय/ विभाग मजबूत डेटाबेस की अपेक्षा के साथ इसकी ओर देखते हैं।	एनबीओ की महत्वपूर्ण संवृद्धि के समक्ष निम्नलिखित चुनौतियां हैं, जैसे- मानव संसाधन, निरीक्षण में दिक्कत, हितधारकों यानी राज्य/ यूटी सरकारें/ शहरी स्थानीय निकाय/ नगर निगम, डीईएस तथा अन्य के साथ सामंजस्य के ढांचे का अभाव, तथा अनुचित प्रशासकीय तथा लिपिकीय समर्थन। इसमें उन्नत प्रबंधन व्यवहारों तथा प्रौद्योगिकी के उपयोग की आवश्यकता महसूस की जाती है।
अवसर	**आशंका**
शहरी गरीबी उन्मूलन, झुग्गी रहवासियों, हाउसिंग स्टार्ट अप इंडेक्स (एचएसयूआई) आदि पर बेहद जोर दिया जाता रहा है। इन परिवर्तनों से एनबीओ का दर्शन अधिक प्रासंगिक बन जाता है और इनसे शहरी गरीबी, झुग्गी, तथा आवास और भवन निर्माण आंकड़ों में डेटाबेस के निर्माण और प्रबंधन के अवसरों तथा इसकी सेवाओं की मांग बढ़ सकती है।	भारत में अभी तक, सरकारी क्षेत्र में डेटाबेस प्रबंधन पर काफी कम ध्यान और नगण्य वित्तीय सहायता दी गई है। इस कारण, प्रभावी नीति निर्माण के लिए डेटाबेस प्रबंधन को सशक्त करने के लिए एनबीओ जैसे संस्थानों का नियमित आधार पर वित्तीय समर्थन करने की अत्यंत आवश्यकता है।

रणनैतिक कार्य योजनाः (2012-17)

नीचे उन मुख्य गतिविधियों का एक सार-संक्षेप प्रस्तुत किया गया है, जिन्हें एनबीओ बारहवीं पंचवर्षीय योजनावधि में कार्यान्वित करेगा।

रणनैतिक नियोजन से योजना कार्यान्वयन प्रशासनिक विभाग तथा कर्मचारी पुनर्संगठन में बदलाव; नया प्रशासनिक वित्तीय तथा सुविधा विभाग

1. डॉ प्रणब सेन समिति की रिपोर्ट तथा आरजीआई द्वारा आयोजित झुग्गी जनगणना 2011 पर आधारित झुग्गी सर्वेक्षण पर अनुवर्ती कार्रवाई।
2. 12वीं पंचवर्षीय योजना के लिए आवास की कमी का आकलन।
3. हाउसिंग स्टार्ट-अप इंडेक्स (एचएसयूआई) का परिचालन 50 शहरी सेल के साथ प्रारंभ करना, जिनमें 2011 की जनगणना के अनुसार 3 लाख तक आबादी वाले शहरों और नगरों को शामिल करने के लिए धीरे-धीरे विस्तार किया जाएगा ताकि एचएसयूआई के लिए शहरों के आपूर्ति आंकड़े सुनिश्चित किए जा सकें तथा उनके अपने सूचकांकों का भी आकलन किया जा सके।
4. राजीव आवास योजना (आरएवाई) की स्लम मुक्त शहरी नियोजन योजना के तहत अनुशंसित मानकों के आधार पर यूएसएचए योजना के तहत शामिल शहरों और नगरों के लिए अतिरिक्त कोष उपलब्ध कराना।
5. एनबीओ उन पदों को पुनर्स्थापित करने की कार्रवाई करेगा जो एचएसयूआई के संबंध में तथा बीपीएल सर्वेक्षण के समर्थन से 'निरस्त किए जाने योग्य' शीर्षक के तहत आते हैं।
6. राष्ट्रीय भवन निर्माण संगठन परियोजनाओं के मूल्यांकन, स्वीकृति, निगरानी और समीक्षा के समन्वय के लिए नोडल एजेंसी के तौर पर कार्य करेगा और राजीव आवास योजना (आरएवाई) के तहत कार्यशालाओं/ क्षमता निर्माण कार्यक्रमों का आयोजन करेगा।
7. एनबीओ यूएसएचए योजना के तहत देश में शहरी बीपीएल सर्वेक्षण को तकनीकी सहयोग मुहैया कराएगा। एनबीओ बीपीएल सर्वेक्षण आंकड़ों, इन आंकड़ों के विश्लेषण, 2011 जनगणना पश्चात आंकड़ा विश्लेषण तथा रिपोर्ट के प्रकाशन में नोडल एजेंसी के तौर पर

कार्य करेगा। बीपीएल सर्वेक्षण के अनुरक्षन, तथा अद्यतन, सत्यापन तथा रिपोर्ट प्रकाशन में राज्य तथा यूटी वित्तीय सहयोग करेंगे।

8. एनबीओ, एचएसयूआई के विकास के लिए रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के साथ औपचारिक सहयोग हेतु (आरबीआई के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करते हुए) संस्थागत संरचना प्रारंभ करेगा।
9. रणनैतिक योजना के समानांतर संसाधन विकास योजना का अद्यतनीकरण।
10. शहरी स्थानीय निकायों, अर्थशास्त्र तथा सांख्यिकी निदेशालय (डीईएस) के अधिकारियों के लिए क्षमता संवर्धन कार्यक्रम/ सेमिनार, सम्मेलनों का आयोजन करना, ताकि उन्हें हाउसिंग स्टार्ट-अप इंडेक्स, इमारत सामग्रियों के मूल्य तथा मजदूरों के पारिश्रमिक, झुग्गियोंआदि के संदर्भ में यूएलबी तथा डीईएस से आंकड़ों का स्वाभाविक प्रवाह प्राप्त करने के प्रति जागरुक बनाया जा सके।

विकास के अन्य कार्य

- विस्तृत कार्ययोजना का विकास
- सभी नई गतिविधियों तथा प्रयासों का अनवरत विकास तथा स्थायीकरण;
- सभी नई गतिविधियों तथा प्रयासों के कार्यान्वयन में सफलताओं तथा बाधाओं के संदर्भ में प्राप्त शिक्षाओं पर विस्तृत नजरिया अपनाना।
- नई रणनीतिक योजना की योजना बनाना।